एडवांटेज विदर्भ

विकास के मामले में पिछड़े विदर्भ की तस्वीर बदलने की शानदार पहल हुई। एडवांटेज विदर्भ की बैठक में देश के जानेमाने उद्यमी शामिल हुए। मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने मेजबानी की। औद्योगिक विकास की उड़ान भरने के दावे के साथ राजनीतिक इच्छा शक्ति में जोश भरने का प्रयास किया। कुछ उद्यमियों व जनप्रतिनिधियों ने सरकार के कान खींचने के प्रयास भी किए।

700 उद्यमियों ने कराया पंजीयन

एडवांटेज विदर्भ के दौरान आयोजित किए गए [illegible] 700 उद्यमियों ने पंजीयन कराया है। इसके लिए आयोजन स्थल पर प्रतिनिधि नियुक्त किए गए थे। सुबह [illegible] बजे तक उद्यमियों की पंजीयन प्रक्रिया शुरू थी।

शुभारंभ

मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने सुबह 9.45 बजे सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

होटल खचाखच

होटल सेंटर प्वाइंट का सभागृह आमंत्रित उद्यमियों, नेताओं से खचाखच भरा हुआ था।

होटल में ही ठहरे उद्योगपति

मंत्रियों और उद्यमियों के ठहरने की व्यवस्था होटल में ही की गई थी।

शिरकत

कई प्रमुख ऑटो कंपनियों के बड़े अधिकारियों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के पहले दिन दूसरे सत्र में नागपुर दि नेक्स्ट ऑटोमोबाइल हब चैलेंजेस एंड अपॉर्च्युनिटीज विषय पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने नागपुर को भविष्य का ऑटो हब बताया।

सहयोग मिलेगा

विदर्भ में बिजली, पानी, कोयला, पत्थर भरपूर मात्रा में है। माइनिंग इंडस्ट्री के लिए काफी पोटेंशियल है। जरूरत है उद्यमियों द्वारा दिलचस्पी लेने की। सरकार उद्यमियों को हर संभव सहयोग देने को तैयार है।
-[illegible], निदेशक, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया

रोजगार मिला है

मौदा में एनटीपीसी का जो प्रोजेक्ट शुरू हुआ है, उससे लगभग 500 कुशल कामगारों व 500 अकुशल कामगारों को रोजगार मिला है। एनटीपीसी का उद्देश्य बिजली के साथ ही यहां रोजगार के अवसर निर्माण करना भी है।
-बी. [illegible], महाप्रबंधक एनटीपीसी

24 घंटे मिलेगी बिजली

उद्योगों को 24 घंटे बिजली मिलेगी। लघु व मध्यम उद्योगों को सस्ती बिजली दी जाएगी। प्रति यूनिट 1 रुपए सब्सिडी दी जाएगी। यहां बिजली की कोई कमी नहीं है।
-अजॉय मेहता, प्रधान सचिव, ऊर्जा विभाग

स्थिरता जरूरी

औद्योगिक विकास के लिए राजनीतिक, संगठनात्मक व प्रशासनिक स्थिरता आवश्यक है। इस दिशा में सभी को प्रयास करना चाहिए।
आरसी भार्गव, चेयरमैन मारुति सुजुकी

इंटीग्रेटेड पार्क बनें

वर्तमान में उद्योग टुकड़ों में बंटे हुए हैं। इससे परिवहन का खर्च बढ़ जाता है। इन्हें एक साथ लाने की आवश्यकता है। इसके लिए वर्टिकल या होरिजेंटल विकास जरूरी है। इंटीग्रेटेड पार्क की जरूरत है।
- एस. के. गुप्ता, ग्रुप सीएफओ, रेमंड [illegible] डेनिम प्राइवेट लिमिटेड

16 कंपनियों के साथ उद्योग विभाग का 14,482 करोड़ का एमओयू

कंपनी	उत्पादन	एमओयू करोड़ रु. में
पोस	ऊर्जा	2500
अंबुजा सीमेंट, चंद्रपुर	सीमेंट	3300
माणिकगढ़ सीमेंट, चंद्रपुर	सीमेंट	1500
अंबा आयरन स्टील, चंद्रपुर	लोहा	1000
[illegible] इंफ्रास्ट्रक्चर	स्टील	600
सूर्यलक्ष्मी कॉटन मिल, नागपुर	कपास	500
[illegible] फेरो प्रा. लिमिटेड	लोहा	400
सनफ्लैग आयरन लिमिटेड, भंडारा	लोहा	340
हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लि. मौदा	एल्युमिनियम	318
[illegible] लि., नागपुर	गृह निर्माण	311
सुगना फूड्स प्रा. लि. वर्धा	खाद्य सामग्री	114
आर. डी. प्लास्टिक्स नागपुर	प्लास्टिक	102
[illegible] लि. नागपुर	रसायन	92.80
आर. एस. मोहता कंपनी हिंगणघाट	कपास	45
[illegible] प्रा. लि.	अल्कोहल	140
[illegible] प्रोटीन्स	खाद्य सामग्री	98

[illegible]

वस्त्रोद्योग में 1880 करोड़ का करार

■ 2012 में बनी टेक्सटाइल्स पॉलिसी में होगा बदलाव ■ विदर्भ के कपास उत्पादक जिलों में कॉमन एफ्लूएंट प्लांट का निर्माण

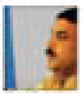

मो. अनिस खान

[illegible]

कंपनी	उत्पादन	अनुबंध करोड़ में
मे. भूषण स्टील लि. बुटीबोरी	स्टील	1350
[illegible] ट्यूब प्रा.लि. देवली	ट्यूब लाइट	300
मे. [illegible] लि. बुटीबोरी	कपास	290
पी.एम.एम. इंडस्ट्रीज लि. अमरावती	कपास	280
श्याम इंडो फैब लि. अमरावती	कपास	273
[illegible] प्रा.लि. यवतमाल	कपास	250
[illegible] टेक्सटाइल्स प्रा.लि. बुटीबोरी	कपास	150
विदर्भ सोया मिल्क [illegible]	खाद्य प्रक्रिया	100
[illegible] इंफ्रास्ट्रक्चर	लॉजिस्टिक्स	300

इन उद्योगों ने किए विस्तार अनुबंध

विस्तारित प्रकल्प को कैपिटल सब्सिडी

वस्त्रोद्योग की जरूरतों पर उद्योगपतियों ने रखी राय

[illegible]

इच्छाशक्ति से होगा उद्योगों का विकास

[illegible]

सही दाम नहीं मिल रहा

[illegible]
- सुरेश कोटक, [illegible]

सिंगल विंडो जरूरी

[illegible]
- दिलीप जीवराजका, [illegible]

इंटीग्रेटेड पार्क बनें

[illegible]
- एस. के. गुप्ता, [illegible]

वैट कम करें

[illegible]
- संदीप गुप्ता, [illegible]

पॉवरलूम का आधुनिकीकरण हो

[illegible]
- अविनाश [illegible]

इंटीग्रेटेड सेटअप लगाएं

[illegible]
- के. के. अग्रवाल, [illegible]

बने लचीली योजना

[illegible]
- महेश [illegible]

कैपिटल पॉवर प्लांट बनें

[illegible]
प्रवीण कुमार मोहता, [illegible]

सात क्षेत्रों पर हो ध्यान

[illegible]
- सुनील पोरवाल, [illegible]

नागपुर भविष्य का ऑटो हब

टाटा संस के चेयरमैन सायरस मिस्त्री

[illegible]

भविष्य में होगा विस्तार

[illegible]
- एस. डी. तिवारी, [illegible]

नहीं है विस्तार की योजना

[illegible]
-विजय [illegible]

सप्लायर बेस नहीं

[illegible]
- महेश [illegible]

ऑटो स्टील उपलब्ध है

[illegible]
-[illegible]

नए उद्योगों को मिलेगी छूट

[illegible]
- मनु कुमार श्रीवास्तव, [illegible]

बड़े पैमाने पर मिलेगा रोजगार

[illegible]
-मयंक शुक्ला, [illegible]

गारंटी मिले

[illegible]
-रमेश [illegible]

घाटे का काम पसंद नहीं

[illegible]
-सुनील [illegible]

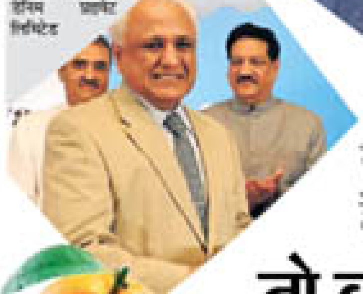

खलती है कमी ...तो बात बन जाए

प्रस्तुति : टीम भास्कर, नागपुर